



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 252]
No. 252]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 13, 2001/भाद्र 22, 1923
NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 13, 2001/BHADRA 22, 1923

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय

अंतिम निष्कर्ष संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 2001

विषय : चीन जनवादी गणराज्य और ताइवान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित एनालजिन के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच—अंतिम निष्कर्ष

सं. 66/1/2000-डीजीएडी.— भारत सरकार 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए:

(क) प्रक्रिया

1.0 जांच के संबंध में नीचे दी गई प्रक्रिया का पालन किया गया है:

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) को नियमों के तहत घरेलू उद्योग की ओर से मै. वाणी कैमिकल्स एंड इंटरमीडिएट्स लि., 1-306 तथा 307, तीसरी मंजिल, दिव्यशक्ति कंपलैक्स, 7.1.58, अमीरपेट, हैदराबाद से लिखित ओवदन प्राप्त हुआ है जिसमें चीन जनवादी गणराज्य और ताइवान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित एनालजिन के पाटन को आरोप लगाया गया था।
- (ii) प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की अनुसूची I के उप शीर्ष 2933.19 के अंतर्गत वर्गीकृत चीन जनवादी गणराज्य और ताइवान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित

एनालजिन के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरुआत करते हुए दिनांक 27 दिसम्बर 2000 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित किया गया।

- (iii) प्राधिकारी ने प्रारंभिक निष्कर्षों से संबंधित दिनांक 7 मार्च 2001 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया, एवं शुद्धि पत्र दिनांक 20 मार्च 2001 को जारी किया गया,
- (iv) प्राधिकारी ने ज्ञात आयातकों को प्रारंभिक निष्कर्षों की प्रति भेजी जिनसे प्रारंभिक निष्कर्षों पर अपने विचार, यदि कोई हो, को पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था;
- (v) प्राधिकारी ने चीन जनवादी गणराज्य के दूतावास ताईपेई आर्थिक एवं सांस्कृतिक केन्द्र और (टी ई सी सी) नई दिल्ली को भी प्रारंभिक निष्कर्षों की प्रति भेजी तथा निर्यातकों और अन्य हितवद्ध पार्टियों का प्रारंभिक निष्कर्षों पर अपने विचार प्रस्तुत करने की सलाह देने का अनुरोध किया।
- (vi) प्राधिकारी ने सभी हितवद्ध पार्टियों को दिनांक 15.6.2001 को मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। मौखिक रूप से विचार प्रस्तुत करने वाली सभी पार्टियों से मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित रूप में प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था। इन पार्टियों को सलाह दी गई थी कि वे विरोधी पार्टियों द्वारा व्यक्त विचारों की प्रतियां ले लें और इसके खंडन, यदि कोई हों, को प्रस्तुत करें।
- (vii) प्रारंभिक निष्कर्षों की घोषणा से पहले हितवद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए जिन तर्कों को अधिसूचित किए गए प्रारंभिक निष्कर्षों में प्रकाशित किया गया है, उन्हें संक्षिप्तता के कारण इसमें दोहराया नहीं गया है। तथापि, हितवद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्कों पर प्रारंभिक निष्कर्षों में तथा/अथवा इन निष्कर्षों में विचार किया गया है।
- (viii) उपरोक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार इन निष्कर्षों के लिए विचार किए गए आवश्यक तथ्यों/आधार का ज्ञात हितवद्ध पार्टियों को खुलासा किया गया और उन पर मिली टिप्पणियों पर भी इन निष्कर्षों में विधिवत विचार किया गया है।
- (ix) केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सी बी ई सी) से जांच अवधि सहित पिछले तीन वर्षों के दौरान एनालजिन के आयातों के ब्यौरे प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था।

- (x) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश हितबद्ध पक्षों के निरीक्षण के लिए रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखे ।
- (xi) प्राधिकारी ने जांच के लिए आवश्यक समझी जाने वाली सूचना मांगी और उसका सत्यापन किया ।
- (xii) प्राधिकारी ने (घरेलू उद्योग से प्राप्त सूचना के आधार पर) लागत जांच भी की और सामान्य स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के आधार पर भारत में उत्पादन की इष्टतम लागत/विनिर्माण तथा बिक्री लागत का निर्धारण किया ।
- (xiii) जांच 1 अप्रैल, 1999 से 30 सितम्बर, 2000 (18 महीने) की अवधि के लिए की गई थी ।
- (xiv) *** यह चिन्ह इस अधिसूचना में किसी हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और नियमों के तहत प्राधिकारी ने इसे ऐसा ही माना है ।

(ख) याचिकाकर्ता के विचार

- 2.1 याचिकाकर्ताओं ने बताया है कि जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना की तारीख और अंतिम शुल्कों के रूप में पाटनरोधी शुल्क को लगाए जाने की तारीख के बीच निश्चित समयान्तराल होता है । कई आयातकों द्वारा देश में काफी अधिक सामग्री का आयात किया गया है । याचिकाकर्ता ने प्राधिकारी से पूर्व तिथि से पाटनरोधी शुल्कों को लगाने की संभावनाओं की जांच करने का अनुरोध किया है ।
- 2.2 जैसाकि अधिकांश वस्तु औषधियों के मामले में होता है एनालजिन के भी अनेक नाम और समानार्थी शब्द हैं और इस प्रकार अनेक बेईमान आयातक एक नाम या दूसरे नाम से उक्त सामग्री का आयात करते हैं जिसकी देश के विभिन्न पत्तनों पर सीमाशुल्क प्राधिकारियों को जानकारी नहीं हो सकती है । उन्होंने प्राधिकारी से अनुरोध किया है कि वह अंतिम अधिसूचना में एनालजिन के सभी नामों और समानार्थी शब्दों को शामिल करने की गुंजाइश और संभावना पर विचार करें । उन्होंने भारत में शुल्क औषधि एनालजिन के प्रवेश हेतु एक अथवा दो मुख्य पत्तनों तक आयात सीमित करने की संभावना पर भी विचार करने का अनुरोध किया है । उन्होंने प्राधिकारी से यह भी अनुरोध किया है कि वह आयातित सामग्री

एनालजिन की पूरी तस्वीर दर्शाने के लिए वर्तमान 8 अंकीय आई टी सी एच एस कोड/सीमाशुल्क कोड को पुनः निर्धारित करने के लिए जांच करे।

(ग) निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

ताइपेई आर्थिक एवं सांस्कृतिक केन्द्र (टीईसीसी), नई दिल्ली

- 3.1.1 उन्होंने बताया है कि याचिकाकर्ता द्वारा उल्लिखित दो ताइवानी कंपनियों ने भारत को एनालजिन के निर्यात से इनकार किया है।
- 3.1.2 ताइवान के सीमाशुल्क महा निदेशक के आयात निर्यात सांख्यिकी के अनुसार जांच अवधि के दौरान भारत को किए गए एनालजिन के निर्यात का कोई रिकॉर्ड नहीं है;
- 3.1.3 टी ई सी सी ने स्पष्ट किया है कि ताइवान (आर ओ सी) चीन (पी आर सी) से भिन्न देश है और इसकी स्वतंत्र पहचान है;

निर्यात

चीन नेशनल कैमिकल कंस्ट्रक्शन कारपोरेशन, चीन

उन्होंने बताया है कि वर्ष 1998 से 2000 तक के लिए भारत को किए गए एनालजिन के निर्यात का उनके पास कोई रिकॉर्ड नहीं है।

आयात

3.3 मै. अजन्ता फार्मा लि., नई दिल्ली

उन्होंने निवेदित पत्र में कुछ सूचना प्रस्तुत की है।

3.4 मै. आल्फेक्स फार्मा कैम. अहमदाबाद

उन्होंने बताया है कि उन्होंने चीन या ताइवान से कभी भी एनालजिन का आयात नहीं किया है। इन परिस्थितियों में, उन्होंने बताया है कि उन्हें जांच में भाग लेने की जरूरत नहीं है।

(घ) उठाए गए मुद्दों का जांच

4.0 याचिकाकर्ता, निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा किए गए उपरोक्त अनुरोधों की उस सीमा तक, जहां तक ये नियमानुसार संगत है और जहां तक ये मामले पर प्रभाव डालते हैं, जांच की गई है और उन पर विचार किया गया है तथा इन निष्कर्षों में उचित स्थानों पर कार्रवाई की गई है।

(ड.) विचाराधीन उत्पाद:

5.1 इस याचिका में विचाराधीन उत्पाद चीन और ताईवान के मूल की अथवा वहां से निर्यातित एनालजिन है। यह उत्पाद सीमाशुल्क टैरिफ शीर्ष 2933.1907 के अंतर्गत वर्गीकृत है। तथापि यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और मौजूदा जांच पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है। एनालजिन बमुश्किल दिखाई देने वाली पीली परत वाला सफेद क्रिस्टलीन पाउडर है। यह एनालजेसिक और ज्वरांतक प्रयोजन में इस्तेमाल किए जाने वाली एक सूजनरोधी और ज्वरांतक औषधि है।

5.2 याचिकाकर्ताओं ने यह दोहराया है कि विचाराधीन उत्पाद एनालजिन है और यह कई नामों तथा पर्यायों से जाना जाता है। उन्होंने मेर्क इंडेक्स को उद्धृत किया है और निवेदन किया है कि विचाराधीन उत्पाद को अधिसूचना में भली भांति परिभाषित किया जाए ताकि उत्पाद के नाम में परिवर्तन करके शुल्क की घोखाधड़ी नहीं की जाए।

5.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

जहां तक एनालजिन के विभिन्न नामों तथा पर्यायों का संबंध है, इस मुद्दे को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, भारत सरकार के पास उनकी टिप्पणियों के लिए भेजा गया था। उप औषधि नियंत्रक (भारत) सी डी एस सी ओ, पश्चिमी जोन, मुंबई ने स्पष्ट किया है कि एनालजिन के बहु प्रचलित नाम डाइपाइरोन, मेटामिजोल, मेथमपाइरोन हैं जो "3369 मेर्क इंडेक्स" के अंतर्गत दर्ज हैं और प्राधिकारी ने इस पर विश्वास किया है।

च. समान वस्तु

6.1 समान वस्तु की परिभाषा में निम्नानुसार उल्लेख है-

समान वस्तु का तात्पर्य ऐसी किसी वस्तु से है जो भारत में पाटन किए जाने हेतु जांचाधीन उत्पाद से हर प्रकार से समानरूप अथवा समान हो अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में ऐसी अन्य वस्तु से है जो हालांकि हर प्रकार से समान नहीं है। किन्तु उसकी विशेषताएं जांचाधीन वस्तु की विशेषताओं से अत्यधि मिलती जुलती हों।

- 6.2 प्राधिकारी यह पाते हैं कि याचिकाकर्ताओं द्वारा उत्पादित एनालजिन और चीन एवं ताईवान से आयातित संबद्ध वस्तु भौतिक और रासायनिक गुणों, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य और उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन इत्यादि जैसी विशेषताओं के अनुसार तुलनीय है। इन दोनों वस्तुओं का तकनीकी और वाणिज्यिक दृष्टि से एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग होता है।
- 6.3 इस जांच में भाग लेने वाली किसी भी हितबद्ध पार्टी द्वारा इस मुद्दे के बारे में कोई तर्क नहीं किया गया है।
- 6.4 उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित एनालजिन चीन जनवादी गणराज्य तथा ताईवान से निर्यातित वस्तु के समान वस्तु है।

छ. घरेलू उद्योग

7.1 यह याचिका मै. वाणी कैमिकल्स एंड इंटरमीडिएट्स लि., हैदराबाद द्वारा घरेलू उद्योग की ओर से दायर की गई है। लगभग 2-3 वर्ष पूर्व भारत में एनालजिन के 15 से अधिक उत्पादक थे। तथापि, वाणी कैमिकल्स को छोड़कर सभी ने अव्यावहारिक प्रचालन के कारण एनालजिन से संबंधित अपना उत्पादन या तो रोक दिया है अथवा अपना प्रचालन पूरी तरह बंद कर दिया है। याचिकाकर्ता भारत में एनालजिन का एक मात्र उत्पादक है। इस प्रकार कंपनी का हिस्सा एनालजिन के भारतीय उत्पादन का 100% बनता है। इस प्रकार याचिकाकर्ता मौजूदा याचिका दायर करने की स्थिति में है और वह नियमानुसार घरेलू उद्योग है।

7.2 इस जांच में भाग लेने वाली किसी भी हितबद्ध पार्टी द्वारा इस मुद्दे के बारे में तर्क नहीं किया गया है।

7.3 पूर्वोक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि याचिकाकर्ता नियमानुसार घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने की स्थिति में है।

8.0 धारा 9(क) (1) (ग) के अधीन किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है:

- (i) सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तुओं के लिए उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिर्दिष्ट तुलनात्मक मूल्य जबकि ऐसी वस्तु निर्यातक देश या क्षेत्र में उपभोग के लिए आशयित हो; या
- (ii) जहाँ निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तु की कोई बिक्री नहीं हो या विशेष बाजार दशा के कारण अथवा निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में बिक्रियो की कम मात्रा के कारण, ऐसी बिक्रियों की वजह से समुचित तुलना नहीं हो सकती हो तो सामान्य मूल्य या तो:-

(क) निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से आयात किए जाने पर समान वस्तु का उप-धारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथा निश्चित तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य, या

(ख) उप-धारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथा निश्चित प्रशासनिक बिक्री और सामान्य लागतों एवं लाभों के लिए उचित वृद्धि के साथ वस्तु के मूल के देश में उक्त वस्तु के उत्पादन की लागत:

बशर्ते कि वस्तु का आयात जब मूलता के देश से भिन्न अन्य किसी देश से किया गया हो तथा जहाँ वस्तु निर्यात के देश से केवल गुजरी हो या ऐसी वस्तु निर्यात के देश में उत्पादित नहीं होती या निर्यात के देश में उसका कोई तुलनात्मक मूल्य नहीं हो, तो इसके सामान्य मूल्य का निर्धारण मूलता के देश में इसके मूल्य के संदर्भ में किया जाएगा ।

- 8.1 संबद्ध देशों के किसी भी निर्यातक ने इस जांच का जबाव नहीं दिया है। इन परिस्थितियों में प्राधिकारी ने इस जांच के प्रयोजनार्थ संबद्ध देशों के सभी निर्यातकों को असहयोगी निर्यातक माना है।
- 8.2 सामान्य मूल्य: याचिकाकर्ता का दावा है कि चीन जनवादी गणराज्य तथा ताइवान की बाजार स्थिति को ध्यान में रखते हुए इन देशों में प्रचलित सामान्य मूल्य प्राप्त करना उनके लिए व्यावहारिक नहीं है। सामान्य मूल्य का परिकलन संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत के आधार पर किया गया है जिसमें बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक व्यय और समुचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए समायोजन कर दिया गया है।
- 8.3 निर्यात कीमत: याचिकाकर्ता ने वर्ष 1998-99 की अवधि के लिए और अप्रैल, 99 से सितम्बर, 2000 तक की अवधि के लिए भी निर्यात कीमत वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस), कलकत्ता के अनुसार प्रस्तुत की है और तदनुसार निर्यात कीमत का दावा किया है। याचिकाकर्ता ने कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत निकालने के लिए सी आई एफ कीमतों में निम्नलिखित समायोजनों अर्थात् समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, स्वदेशी परिवहन और पत्तन हैंडलिंग प्रभारों का संकेत दिया है।
- 8.4 प्राधिकारी ने ताइवान से हुए आयातों के बारे में अन्य सरकारी स्रोतों से प्राप्त समर्थनकारी साक्ष्य से संतुष्ट होने के बाद जांच अवधि के लिए डी जी सी आई एण्ड एस के आयात क आंकड़ों पर भरोसा किया है।

8.5 पाटन मार्जिन

जैसा कि ऊपर चर्चा की गयी है सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करने के बाद यथानिर्धारित पाटन मार्जिन निम्नानुसार होगा:-

अमरीकी डालर प्रति किग्रा.	चीन	ताईवान
सामान्य मूल्य	***	***
निर्यात कीमत	***	***
पाटन मार्जिन	***	***
निर्यात कीमत के % के रूप में	115%	105%
पाटन मार्जिन		

- 8.6 **तुलना:** उचित तुलना के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत की गयी सूचना तथा रिकार्ड में उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना के आधार पर कारखाना द्वार स्तर के सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत का आकलन किया है।

अ. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

- 9.0 उपरोक्त नियम 11 अनुबंध-॥ के तहत जब क्षति के बारे में किसी निष्कर्ष पर पहुँचा जाता है तो इस प्रकार के निष्कर्ष में ".....पाटित आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में समान वस्तुओं की कीमत पर उनके प्रभाव तथा इस प्रकार की वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण शामिल होगा।" कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह जाँच करना आवश्यक समझा जाता है कि पाटित आयातों के कारण भारत में समान वस्तुओं की कीमत की तुलना में कीमत में कोई उल्लेखनीय गिरावट आई है अथवा नहीं अथवा क्या इस प्रकार के आयातों से कीमतों में अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक गिरावट आई है, अथवा कीमत वृद्धि में अन्यथा रुकावट आई है जो कि अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक बढ़ गई होती,

नियमावली के अनुबंध ॥ के नियम (iii) में यह अपेक्षा की गई है कि यदि एक से अधिक देशों से हुए किसी उत्पाद के आयातों की एक साथ पाटनरोधी जाँच की जा रही है तो प्राधिकारी ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी रूप से मूल्यांकन करेगा। तथापि, इस प्रकार का मूल्यांकन केवल तब किया जा सकता है जब यह निर्धारित किया गया हो कि:-

(क) प्रत्येक देश से किए गए आयातों के बारे में पाटन मार्जिन निर्यात के रूप में दिए गए 2 प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से किए गए आयातों की मात्रा भारत में समान वस्तु के आयातों का 3 % है,

(ख) आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को देखते हुए आयातों के प्रभावों का संचयी मूल्यांकन करना उचित है ।

9.1 प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देश से किए गए आयातों की मात्रा एवं पाटन मार्जिन उक्त निर्धारित सीमा से अधिक है । आयातों के प्रभावों का संचयी मूल्यांकन करना उचित है क्योंकि भारतीय बाजार में संबद्ध देशों की निर्यात कीमत की स्पर्धा सीधे घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त कीमतों से थी ।

9.2 भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने उपरोक्त नियमों के अनुबंध-11(iv) के अनुसार आयातों की मात्रा, उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, बाजार हिस्सा, लाभप्रदता, पाटन की मात्रा एवं मार्जिन जैसे संकेतों पर विचार किया जो उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालते हैं ।

		1997-98	1998-99	1999-00	4/00-9/00	जांच अवधि	वार्षिकृत
चीन	जनवादी	58000	6700	191952	162699	354651	236434
गणराज्य से आयात (किग्रा.)							
ताइवान	से	0	0	4575	9000	13575	9050
आयात (किग्रा.)							
अन्य देशों	से	6100	0	0	0	0	0
आयात (किग्रा.)							
कुल	आयात	64100	6700	196527	171699	368226	245484
(किग्रा.)							

कुल आयातों में हिस्सा						
चीन	90.48	100	97.67	94.76	96.31	96.31
ताईवान	0	0	2.33	5.24	3.69	3.69
अन्य	9.52	0	0	0	0	0
कुल	100	100	100	100	100	100
कुल घरेलू उत्पादन	@181000	129723	145510	36647	182157	121438
मांग (किग्रा.)	245100	136423	342037	208346	550383	366922
मांग में बाजार हिस्सा						
चीन एवं ताईवान	23.66	4.9	57.38	82.4	66.9	66.9
अन्य देश	2.49	0	0	0	0	0
घरेलू उद्योग	73.85	95.1	42.62	17.6	33.1	33.1
कुल	100	100	100	100	100	100

(@) इसमें अन्य उत्पादक का उत्पादन शामिल है।

उपरोक्त सारणी से यह स्पष्ट है कि चीन और ताईवान से हुए आयातों में पूर्ण रूप से वृद्धि हुई है जो वर्ष 1997-98 के दौरान 58000 किग्रा. के आयातों से बढ़कर जांच अवधि (वार्षिक) के दौरान 236434 किग्रा. के हो गए हैं। भारत की कुल मांग में चीन जनवादी गणराज्य के बाजार हिस्से में वृद्धि दर्ज की गई है, जो वर्ष 1997-98 में 23.66% के कम स्तर

से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 66.9% तक पहुँच गया। घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा, जो 1997-98 में 73.85% था, जांच अवधि में घटकर 33.1% हो गया।

9.3 याचिकाकर्ता का उत्पादन और क्षमता उपयोग:

मात्रा/किग्रा.	1997-98	1998-99	1999- 2000	4/00- 9/00	जांच अवधि	वार्षिकृत
स्थापित क्षमता	480000	480000	480000	240000	720000	720000
उत्पादन	91930	129720	145510	36647	182157	211438
क्षमता उपयोगिता	19.15 %	27.03%	30.30%	15.27	25.30%	25.30 %

यद्यपि, 1998-99 और 1999-2000 में याचिकाकर्ता के उत्पादन और क्षमता उपयोग में वृद्धि हुई है, लेकिन यह वृद्धि कंपनी के समर्पित प्रयास का परिणाम रही है। याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्रियो में की गई वृद्धि से भी कंपनी उचित लाभ अर्जित करने में सक्षम नहीं रही थी। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2000-2001 में उत्पादन में भारी गिरावट आई है।

9.4 बिक्री मात्रा:

	1997-98	1998-99	1999- 2000	4/00- 9/00	जांच अवधि	वार्षिकृत
विक्रियां (किग्रा.)	92125	117350	132561	49625	182196	121464

याचिकाकर्ता की बिक्रियों की मात्रा में देश के कई अन्य उत्पादकों द्वारा उत्पादन स्थगित करने के परिणामस्वरूप वृद्धि हुई है।

9.5 स्टॉक

जैसा कि निम्नलिखित सारणी से स्पष्ट है कि याचिकाकर्ता के पास उपलब्ध एनालजीन के स्टॉक में इस अवधि में पर्याप्त वृद्धि हुई है:-

	1997-98	1998-99	1999-2000	2000-01 4/00-9/00
स्टॉक (किग्रा.)	0	1237	25370	25928

9.6 बिक्री कीमत और कीमत में कटौती

याचिकाकर्ता की बिक्री कीमत, औषधि कीमत, नियंत्रण आदेश कीमत तथा आयातों का पहुँच मूल्य निम्नानुसार है:-

रु०/किग्रा.	1997-98	1998-99	1999-00	2000-2001 4/00-9/00	जांच अवधि
बिक्री कीमत	300.61	321.55	360.03	350.91	357.55
डीपीसीओ अधिसूचित कीमत	304.00	378.00	378.00	378.00	378.00
आयातों का पहुँच कीमत	295.88	292.66	244.67	262.72	252.94

यह बात नोट की जाती है कि याचिकाकर्त्ता ने बताया है कि 'वह डी पी सी ओ की कीमत में वृद्धि होने के फलस्वरूप एनालजीन की बिक्री कीमत को बढ़ा सकता था। पहले निर्धारित की गई डी पी सी ओ कीमत बहुत ही कम थी और अनुवर्ती कार्रवाई करने पर कीमतों में ऊर्ध्वगामी संशोधन किया गया था। इसके अतिरिक्त, यह बताया गया है कि आयातों की पहुँच कीमत हमेशा ही डी पी सी ओ कीमतों से कम रही है। अतः आयातों से घरेलू बाजार में कीमतों में भारी कटौती हो रही है।

9.7 रोजगार

यह बात नोट की जाती है कि कठिन समय में भी अपने कर्मचारियों को बनाए रखने की कंपनी की नीति के अनुरूप रोजगार के स्तरों में कोई खास अंतर नहीं आया है। तथापि, देश में अनेक अन्य एनालजीन के उत्पादकों ने अपना उत्पादन स्थगित कर दिया है जिसके फलस्वरूप उद्योग को सम्पूर्ण रूप में रोजगार के क्षेत्र में प्रत्यक्ष हानि हुई है।

9.8 लाभप्रदत्ता

यद्यपि बिक्री कीमतों में वृद्धि हुई है तथापि, उत्पादन की लागत में भी वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त, बिक्री कीमतों में वृद्धि डी पी सी ओ की अधिसूचित कीमतों में ऊर्ध्वगामी संशोधन के कारण हुई है। इसके अलावा, याचिकाकर्त्ता को पाटित आयातों के कारण डी पी सी ओ कीमतों पर उस माल को बेचने में काफी कठिनाई हो रही है जो डी पी सी ओ कीमतों से काफी कम कीमत पर उपलब्ध है। चालू वर्ष में आयात कीमत में और अधिक कमी आई है जिसके फलस्वरूप कीमतों पर और दबाव पड़ा और याचिकाकर्त्ता को उत्पाद बेचने में काफी कठिनाई हो रही है।

9.9 अन्य देशों से आयात न्यूनतम सीमा से कम कीमत पर हुए हैं। अतः अन्य देशों से हुए आयात के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं पहुँच रही है।

9.10 एनालजीन की मांग में 1998-99 और 1999-2000 में वृद्धि हुई है यद्यपि 1997-98 की तुलना में इसमें कमी आई है। तथापि, यह मानते हुए कि मांग में कमी आई है याचिकाकर्ता के बढ़ते हुए आयातों से तथा कम होती हुई बिक्रियों से स्पष्ट होता है कि संबद्ध देश के निर्यातकों "कम हुई" मांग में उच्चतर बाजार हिस्सा प्राप्त करने में समर्थ हुए हैं। आयातों से भारतीय उद्योग के लिए बाजार में आगे और कमी आई है जिससे पाटन और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध प्रमाणित होता है।

9.11 चीन और ताईवान के उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा की गई कीमतों में कमी घरेलू उद्योग को हुई क्षति का प्रमुख कारण है। व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार अथवा निर्यात निष्पादन जैसा दूसरा कोई कारण नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो।

10.0 निष्कर्ष

अतः प्राधिकारी यह पाते हैं कि:

- चीन जनवादी गणराज्य और ताईवान से हुए आयातों में समग्र रूप से वृद्धि हुई है
- संबद्ध देशों से हुए अधिकांश आयात जांच अवधि तथा पिछले वर्ष के दौरान हुए हैं।
- संबद्ध देशों से हुए निर्यात की कीमत में पर्याप्त रूप से कमी आई है।
- संबद्ध देशों से हुए आयातों की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम है जिसके फलस्वरूप कीमतों में भारी कटौती हुई है।
- चीन जनवादी गणराज्य तथा ताईवान से आयातित वस्तुओं के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है जबकि कुल मांग में याचिकाकर्ता के हिस्से में कमी आई है।
- घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है।

11.0 उपर्युक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि चीन तथा ताईवान के मूल के एनालजीन के आयातों से घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

12.0 भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे

12.1 सामान्य तौर पर पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य ऐसे पाटन को समाप्त करना है, जो याचिताकर्त्ताओं को क्षति पहुँचा रहा है और भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा पुनः स्थापित करना है जो देश के सामान्य हित में है।

12.2 यह माना गया है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तु के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है। किन्तु पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी, विशेषकर तब, जबकि लगाया जाने वाला पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुए नुकसान को कम करने के लिए आवश्यक राशि तक ही सीमित कर दिया जाए। इसके विपरीत, पाटनरोधी शुल्क लगाने से पाटन द्वारा प्राप्त हुए अनुचित लाभो को समाप्त किया जा सकेगा, घरेलू उद्योग के ह्रास को रोका जा सकेगा और एनालजीन के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रहेंगे। पाटनरोधी उपायों से संबद्ध देशों से आयात किसी भी प्रकार कम नहीं होंगे इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

12.3 घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक पाटनरोधी शुल्क की मात्रा का पता लगाने के लिए प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए भारत में एनालजीन के उचित बिक्री मूल्य पर भरोसा किया है और इस संबंध में घरेलू उद्योग के लिए क्षमता उपयोग के ईष्टतम स्तर पर ईष्टतम उत्पादन लागत पर विचार किया है।

13.0 पहुँच मूल्य

सीमाशुल्क के प्रचलित स्तर और एक प्रतिशत उतराई प्रभार जोड़ने के बाद चीन जनवादी गणराज्य और ताईवान से एनालजीन की भारत औसत निर्यात कीमत के आधार पर चीन जनवादी गणराज्य और ताईवान से हुए आयातों का पहुँच मूल्य निर्धारित किया गया है।

14.0 निष्कर्ष:

प्राधिकारी ने पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद यह निष्कर्ष निकाला कि:

- चीन जनवादी गणराज्य और ताइवान के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित एनालजीन और एनालजिन के पर्याय के रूप में आम तौर पर प्रयुक्त प्रतिस्थापन जैसे डाइप्रोन, मेटामिजाल, मेटाम्पिरोन का भारत का निर्यात उसका सामान्य मूल्य से कम पर किया गया, जिसके परिणामस्वरूप पाटन हुआ,
- घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है,
- क्षति कुल मिलाकर सबद्ध देशों से होने वाले आयातों के कारण हुई है।

15.1 प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन के बराबर अथवा उससे कम पाटनरोधी शुल्क की राशि की सिफारिश पर विचार किया, जिसे यदि लगाया गया तो उससे घरेलू उद्योग का हुई क्षति समाप्त हो जाएगी। इस प्रयोजनार्थ आयातों की भारत आसत पहुँच कीमत की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की उचित बिक्री कीमत के साथ की गयी थी। चूँकि यह अंतर उपरोक्त व्यापार के अनुसार निर्धारित पाटन मार्जिन से कम है, वहाँ पाटन मार्जिन से कम शुल्क की सिफारिश की गयी है।

15.2 तदनुसार, प्राधिकारी पाटनरोधी शुल्क लगाने के बारे में प्रारंभिक निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं और "3369 मर्क इंडेक्स" के अंतर्गत यथा वर्णित चीन जनवादी गणराज्य और ताइवान मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित एनालजिन और एनालजिन के पर्याय के रूप में आम तौर पर प्रयुक्त प्रतिस्थापन जैसे डाइप्रोन, मेटामिजोल, मेटाम्पिरान (जिसे संबद्ध वस्तु भी कहा जाएगा) के समान आयातों पर केंद्र सरकार द्वारा इस बारे में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से निम्नानुसार निश्चित पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं। सीमाशुल्क दरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 29 के अंतर्गत आने वाले संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहाँ से

निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर यह पाटनरोधी शुल्क नीचे कॉलम 3 में अमरीकी डालर प्रति किग्रा. में उल्लिखित राशि आयातों के पहुँच मूल्य के बीच का अंतर होगा।

देश	निर्यातक	राशि(अमरीकी डालर/किग्रा.)
(1)	(2)	(3)
चीन जनवादी गणराज्य	सभी निर्यातक	2.512
ताईवान	सभी निर्यातक	2.860

- 16 0 इस उद्देश्य के लिए आयातों का पहुँच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के तहत सीमाशुल्क द्वारा यथा आकलित निर्धारणीय मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3 क, 8 ख, 9 एवं 9 क के तहत लगाए गए शुल्कों का छोड़कर सभी सीमाशुल्क शामिल होंगे।
- 17 उपराक्त के अधीन प्राधिकारी 7 मार्च, 2001 के प्रारंभिक निष्कर्ष संबंधी अधिसूचना और 20 मार्च 2001 के शुद्धि-पत्र की पुष्टि करते हैं।
- 18 उपराक्त अधिनियम के अनुसार, इस आदेश के खिलाफ एक अपील सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क एवं स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष दायर की जा सकती

एल. बी. सप्तऋषि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES****FINAL FINDINGS NOTIFICATION**

New Delhi, the 12th September, 2001

Subject : Anti-dumping investigations concerning import of Analgin originating in or exported from China PR and Taiwan—Final Findings.

No. 66/1/2000-DGAD.— The Government of India having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof:

A. PROCEDURE

1.0 The procedure described below has been followed with regard to the investigations:

- i. The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the Rules, received written application from M/s Vani Chemicals and Intermediates Ltd., 1-306 & 307, 3rd Floor, Divyashakti Complex, 7-1-58, Ameerpet, Hyderabad on behalf of the domestic industry, alleging dumping of Analgin originating in or exported from China PR and Taiwan(also herein after referred as subject countries.
- ii. The Authority issued a public notice dated 27th December, 2000 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigations concerning imports of Analgin originating in or exported from China PR and Taiwan, classified under heading 2933.19 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975.
- iii. The Authority issued a public notice dated 7th March, 2001 published in the Gazette of India, Extraordinary, the Preliminary Findings and the Corrigendum dated 20th March, 2001;

- iv. The Authority forwarded a copy of the preliminary findings to the known interested parties who were requested to furnish their views, if any, on the preliminary findings within forty days of the date of the letter;
- v. The Authority also forwarded a copy of preliminary findings to the Embassy of China PR and Taiping Economic And Cultural Centre (TECC), New Delhi with a request that exporters and other interested parties may be advised to furnish their views on the preliminary findings.
- vi. The Authority provided an opportunity to all interested parties to present their views orally on 15.6.2001. All parties presenting views orally were requested to file written submissions of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and offer rebuttals, if any.
- vii. Argument raised by the interested parties before announcing the preliminary findings, which have been brought out in the preliminary findings notified have not been repeated herein for sake of brevity. However, the arguments raised by the interested parties have been considered in the preliminary findings and/or these findings.
- viii. In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received on the same have also been duly considered in these findings.
- ix. Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of Analgin for the past three years, including the period of investigation.
- x. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;

- xi. The Authority sought and verified information deemed necessary for the investigation.
- xii. The Authority also conducted cost investigation (based on the information received from the domestic industry) and worked out optimum cost of production / cost to make and sell in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles.
- xiii. The investigations covered the period of 1st April, 1999 to 30th September, 2000 (18 months);
- xiv. *** in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules;

B Petitioner's Views

- 2.1 Petitioners have stated that there is a definite interval between date of notification on commencing the investigation and the date of imposing anti-dumping duties in the form of provisional duties. A lot of material has been imported into the country by a number of importers. The petitioners have requested the Authority to examine the possibility of levying imposition of anti-dumping duties with retrospective effect.
- 2.2 As in the case of most of the bulk drugs – Analgin also has several names and synonyms and hence a number of unscrupulous importers import the material under one name or other which may not be known to customs official at various ports of countries. They have requested the Authority to kindly examine the scope and possibility of including all the names and synonyms of Analgin in the final notification. They have also requested the possibility of restricting imports to one or two major ports for entry for bulk drug-Analgin into India. They have also requested the Authority to examine to reformulate the present 8 digit ITC HS code/Custom Code number to give a complete picture of imported material Analgin.

C. Views of the Exporters, Importers & Other Interested Parties:

Taipie Economic And Cultural Centre(TECC), New Delhi

- 3.1.1 They have stated that the two Taiwanese companies, mentioned by the petitioner, have denied export of Analgin to India;
- 3.1.2 According to Import-Export Statistics of Director General Customs in Taiwan, there is no record of export of Analgin to India during the investigation period;
- 3.1.3 TECC has clarified that Taiwan (ROC) is a different country from China (PRC) and has independent entity;

Exporters

3.2 China National Chemical Construction Corporation , China

They have stated that it does not have any records of having exported Analgin to India from the year 1998 to 2000

Importers

3.3 M/s. Ajanta Pharma Ltd., New Delhi:

They have furnished some information in the prescribed proforma.

3.4 M/s. Alpex Pharma (Chem., Ahmedabad:

They have stated that they have never imported Analgin from China or Taiwan. In the circumstances, they have stated that there is no need for them to participate in the investigation.

D Examination of the issues Raised:-

- 4.0 The foregoing submissions made by the petitioner, exporters, importers and other interested parties, to the extent these are relevant as per Rules and to the extent these have a bearing upon the case, have been examined and considered and have been dealt with at appropriate places in these findings.

E Product under consideration:

5.1 The product under consideration in the petition is Analgin originating in or exported from China PR and Taiwan. The product is classified under Customs Tariff heading 2933.1907. The classification is, however, indicative only and in no way binding on the present investigations. Analgin is a white crystalline powder with scarcely perceptible yellowish tinge. It is an anti-inflammatory and anti-pyretic drug used in analgesic and anti-pyretic purpose.

5.2 Petitioners have reiterated that the product under consideration is Analgin and it is known by several names and synonyms. They have quoted 'Merck Index' and requested that the product under consideration may be well defined in the notification so that the duty is not circumvented by change of name of the product.

5.3 Examination by the Authority

As regards to several names and synonyms of Analgin, the issue was referred to Directorate General of Health Services, Government of India for their comments. The Deputy Drugs Controller (India), CDSCO West Zone, Mumbai has clarified that the most commonly used synonyms of Analgin are Dipyrone, Metamizole, Methampyrone as described under entry number "3369 of MERCK INDEX " and the Authority relies on the same.

F Like Article:

6.1 Definition of Like Article states as under:

"Like Article means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation."

6.2 The Authority finds that Analgin produced by the petitioners and the subject product imported from China PR & Taiwan are comparable in terms of characteristics such as physical and chemical characteristics, manufacturing process and technology, function and uses, products specifications etc. The two are technically and commercially substitutable.

- 6.3 There have been no arguments on this issue by any of the Interested party participating in this investigation.
- 6.4 In light of the foregoing, Authority concludes that Analgin produced by the petitioner is a Like Article to the Analgin imported from China PR and Taiwan.

G Domestic Industry:

- 7.1 The petition has been filed by M/s. Vani Chemicals & Intermediates Ltd., Hyderabad on behalf of domestic industry. There were more than 15 producers of Analgin in India about 2-3 years back. However, except Vani Chemicals, all of them have either suspended their production or completely closed their operations relating to Analgin due to unviable operation. The petitioner is the only producer of Analgin in India. The company thus accounts for 100% of Indian production of Analgin. The petitioner thus satisfies the standing to file the present petition and constitutes domestic industry under the Rules.
- 7.2 There have been no arguments on this issue by any of the interested parties participating in this investigation.
- 7.3 In light of the foregoing, the Authority concludes that the petitioner has the standing to file the petition on behalf of the domestic industry under the rules.

H Dumping:

- 8.0 Under Section 9A (1)(c), normal value in relation to an article means:
- (i) "the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
 - (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular mark situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-
 - (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

- (b) the cost of production of the said article in the country of origin alongwith reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin".

- 8.1 None of the exporters from subject countries have responded to this investigation. In the circumstances, Authority has treated all exporters from subject countries as non-cooperative exporters for the purpose of this investigation.
- 8.2 Normal Value:- The petitioner claims that it is not feasible for them to obtain normal value prevailing in China PR and Taiwan in view of the market condition in those countries. The normal value has been constructed on the basis of cost of production of subject goods duly adjusted to include selling, general and administrative expenses and a reasonable profit margin.
- 8.3 Export Price: The petitioners have provided the export price as per the Director General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S), Calcutta for the period 1998-99 and also for the period April,99 to September,2000 , and claimed export price accordingly. The petitioners have indicated following adjustments to the CIF prices to arrive at the ex-factory export price i.e. Ocean Freight , Marine Insurance, Commission, Inland transportation, and Port handling charges.
- 8.4 The Authority proposes to rely upon the DGCI&S import statistics for the period of investigation after being satisfied with the receipt of corroborative evidence from other Government sources with respect to imports from Taiwan.

8.5 Dumping Margin:

Considering the normal value and export price as discussed above, the dumping margin as assessed would be as under :

US\$ per kg.	China PR	Taiwan
Normal value	***	***
Export price	***	***
Dumping margin	***	***
Dumping margin as a % of export price	115%	105%

- 8.6 COMPARISON: For the purpose of fair comparison the Authority has assessed normal value and export price at ex-factory level based on the information furnished by interested parties and best available information on record;

I Injury and Causal Link

- 9.0 Under Rule 11 *supra*, Annexure-II, When a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, "... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree;

Rule (iii) of the Annexure II to the Rules requires that in case imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigation, The Authority will cumulatively assess the effect of such imports. Such assessment can be, however, made only if it is determined that:

- the margin of dumping in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the import of the like article in India, and
- the cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic article.

- 9.1 The Authority notes that the margin of dumping and quantum of imports from subject country are more than the limits prescribed above. Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate since the export prices from the subject country were directly competing with the prices offered by the domestic industry in the Indian market.
- 9.2 For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such further indices having a bearing on the state of the industry such as quantum of imports production, capacity utilisation, sales quantum, stock market share, profitability, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II(iv) of the rules supra.

	1997-98	1998-99	1999-00	4/00-9/00	POI	Annualized
Imports from China PR (KG)	58000	6700	191952	162699	354651	236434
Imports from Taiwan (KG)	0	0	4575	9000	13575	9050
Imports from Other Countries (KG)	6100	0	0		0	0
Total Imports (KG)	64100	6700	196527	171699	368226	245484
Share in Total Imports						
China PR	90.48	100	97.67	94.76	96.31	96.31
Taiwan	0	0	2.33	5.24	3.69	3.69
Others	9.52	0	0	0	0	0
Total	100	100	100	100	100	100
Total Domestic Production (KG)	@181000	129723	145510	36647	182157	121438
Demand (KG)	245100	136423	342037	208346	550383	366922
Market Share in Demand						
China PR & Taiwan	23.66	4.90	57.38	82.40	66.90	66.90
Other Countries	2.49	0	0	0	0	0
Domestic industry	73.85	95.10	42.62	17.60	33.10	33.10
Total	100	100	100	100	100	100

@ includes production of other producer

It is evident from the above table that the imports from ChinaPRand Taiwan have increased in absolute terms from 58000 kgs. during 1997-98 to 236434 kgs. in POI (annualized). The market share of import from China PR and Taiwan in the total demand in India, which was as low as 23.66% in 1997-98 registered an increase and stood at 66.9% during POI. The market share of domestic industry, which was 73.85% in 1997-98 declined to 33.1% in the period of investigation.

9.3 Production & Capacity Utilisation of petitioner:

Volume in Kg	1997-98	1998-99	1999-00	4/00 – 9/00	POI	Annualised
Installed Capacity	480000	480000	480000	240000	720000	720000
Production	91930	129720	145510	36647	182157	121438
Capacity Utilisation	19.15%	27.03%	30.30%	15.27%	25.30%	25.30%

Though the production and capacity utilisation of the petitioner has increased in 98-99 and 99-00, the same is a result of dedicated efforts by the company. The increase in production, capacity utilisation and sales by the petitioner, the company was not able to earn reasonable profits. Further, the production has fallen very drastically in the year 2000-2001.

9.4 Sales Volume:

	1997-98	1998-99	1999-2000	4/00 – 9/00	POI	Annualised
Sales (Kg)	92125	117350	132561	49635	182196	121464

The sales volume of the petitioner has increased as a result of suspension of the production by a number of other producers in the country.

9.5 STOCKS

The stocks of Analgin with the petitioner has increased significantly over the period as is evident from the table below:

	1997-98	1998-99	1999-2000	2000-01 4/00 – 9/00
Stocks (Kg)	0	12370	25370	25928

9.6 Selling Price and Price Undercutting:

The selling price of petitioner, Drug Price Control Order (DPCO) price and landed price of imports have been as under:

Rs/Kg	1997-98	1999-99	1999-00	2000-01 4/00–9/00	POI
Selling Price	300.61	321.55	360.03	350.91	357.55
DPCO notified price	304.00	378.00	378.00	378.00	378.00
Landed Price of Imports	295.88	292.66	244.67	262.72	252.94

It is noted that the petitioner could increase the selling price of Analgin as result of increase in the notified price under DPCO. The price notified earlier under DPCO was on significantly lower side with the follow-up action, there was upward revision of prices. Further, it is noted that the landed price of imports have all along been lower than the notified prices. The imports are thus severely undercutting the prices in the domestic market.

9.7. Employment:

It is noted that there is no significant change in the employment levels in line with the company's policy to retain its people even in tough bad periods. However, a number of other Analgin producers in the country have suspended their production, which has resulted in direct loss of employment to the industry as a whole.

9.8 Profitability:

Though the selling prices has increased, the cost of production has also increased. Further, the increase in the selling prices is a result of upward revision of DPCO notified prices. However, the petitioner is not able to earn any profits. Further, the petitioner is finding it extremely difficult to sell the material at the notified prices in the view of the dumped imports, which are available at prices significantly below notified prices under DPCO. The import price in the current year have declined further, which has resulted in further pressure on prices and the petitioner is finding it difficult to sell the product.

9.9 Imports from other countries is below de-minimus limits. Imports from other countries is, therefore, not causing injury to the domestic industry.

9.10. The demand of Analgin has increased between 1998-99 and 1999-2000, even though it has declined as compared to 1997-98. However, assuming that the demand has declined, it is evident from the rising imports and falling sales of the petitioner that the exporters from subject countries have been able to manage higher market share in the "declined" demand. The imports have caused further contraction in the market for the Indian industry, thus evidencing causal link between dumping and injury.

9.11 Reduction in the prices by the Chinese and Taiwanese producers/exporters is the sole cause for the injury to the domestic industry. There is no other factor such as trade restrictive practices or export performance, which has caused injury to the domestic industry

10.0 Conclusion:

The Authority thus observe that:

- The imports from China PR & Taiwan have increased in absolute terms.
- Most of the imports are only from the subject countries during period of investigation and previous year;
- The exports price from the subject countries has declined significantly;
- The landed price of imports from the subject countries is below the selling price of the domestic industry, resulting in severe price undercutting;
- The market share of imported goods from China PR & Taiwan has gone up whereas the share of petitioner in total demand has come down.
- Injury to domestic industry has been caused by dumped imports.

11.0 The Authority, after considering the above, concludes the domestic industry has suffered material injury from the imports of Analgin originating in or exported from China PR & Taiwan.

12.0 Indian Industry's Interest and other issues:

12.1 The purpose of anti dumping duties, in general, is to eliminate dumping which is causing injury to the petitioners and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

12.2 It is recognised that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the

contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of Analgin. Imposition of anti dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

- 12.3 To ascertain the extent of anti-dumping duty necessary to remove the injury to the domestic industry, the Authority relied upon reasonable selling prices of Analgin in India for the domestic industry, by considering the optimum cost of production at optimum level of capacity utilisation for the domestic industry.

13.0 Landed Value:

The landed value of imports from China PR & Taiwan have been determined on the basis of weighted average export price of Analgin from China PR and Taiwan, after adding the prevailing level of customs duties and one percent landing charges.

14.0 CONCLUSIONS:

The Authority, after considering the foregoing, concludes that:-

Analgin and most commonly used synonyms of Analgin like Dipyrone, Metamizole, Methampyrone, originating in or exported from China PR & Taiwan has been exported to India below normal value resulting in dumping;

- The domestic industry has suffered material injury;
- The injury has been caused cumulatively by the imports from the subject countries;

- 15.1 The Authority considered to recommend the amount of anti-dumping duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to the domestic industry. The weighted average landed price of the imports, for the purpose, was compared with the fair selling price of the domestic industry determined for period of investigation. Wherever the difference is lower than the dumping margin determined as detailed herein above, a duty lower than the dumping margin is recommended.

- 15.2 Accordingly, the Authority confirms the preliminary findings with regard to imposition of anti-dumping duties, and recommends imposition of definitive anti-dumping duties, as set out below, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of Analgin and most commonly used synonyms of Analgin like Dipyrone, Metamizole, Methampyrone, as described under entry number "3369 of MERCK INDEX" (also referred as subject goods), originating in or exported from China PR and Taiwan. The Anti-dumping Duty shall be the amount mentioned in column (3) below in US \$ / Kg, on all imports of subject goods originating in or exported from subject countries falling under Chapter 29 of the Customs Tariff Act, 1975.

Country	Exporters	Amount (US \$ /Kg)
(1)	(2)	(3)
China PR	All Exporters	2.592
Taiwan	All Exporters	2.860

- 16.0 Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Section 3, 3A, 8B and 9, 9A of the Customs Tariff Act, 1975.
- 17.0 Subject to above, the Authority confirms the preliminary findings/ dated 7th March, 2001 and the Corrigendum dated 20th March, 2001.
- 18.0 An appeal against this order shall lie to the Custom, Excise & Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act supra.

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority